

२५/७/२५

पत्तावली पेश हुई। आदि. उच्च पक्षकारान् रूप.। प्रकरण  
में मूल वाद डिस्मि किया जा चुका है। अतः मूल वाद  
विणित होने से उक्त पत्तावली में कोई कार्यवाही शेष  
नहीं रहती है। अतः कोई कार्यवाही शेष नहीं रहने से  
पत्तावली की उक्त स्तर पर ह्रास किया जाता है। पत्तावली  
केवल शुद्ध स्तर पर रहने से रूप है।

विणित कुनाया गया।

